

S.S. college, Tehanabal

B.A. I (Hons.) Subject - Psychology

Paper - I (General Psychology)

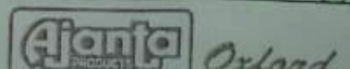
Teacher's Name :- Dr. Vivek Hand Sharma

Date :- 24.04.2021

Topic - Remembering and forgetting

Interference
~~Interference~~, theory of Retroactive inhibition (R.I.)
or forgetting.

यादीय मना विचार के बीच के संबंध को
 समझने पर विचार करना होता है कि एक पर मानसिक प्रभाव का
 विचार होता है। सामान्य विचार पर प्रती यथासंख्य विचारों के अंतर्गत
 प्रभावों की अवस्था में मानसिक प्रभाव को नहीं माना जाता है। एक
 नए विचार द्वारा एक पुराने विचार को प्रभावित करता है। विचारों की अवस्था
 को के लिए विचार मना विचारों के विचार के अंतर्गत प्रभावों को
 प्रभावित करता है। विचारों के McGeoch (1932) द्वारा प्रस्तावित
 अवरोध सिद्धांत (Interference theory) पर प्रभावित होता है।
 यह सिद्धांत विचारों की अवस्था Long-Term memory में होता
 है और Short-Term memory में (DiMatteo, 1970, Hulse, Egelt
 and Beebe, 1975)। इस सिद्धांत के अनुसार मानसिक अवस्था उत्पन्न
 होने का कारण है अवस्था (S-R Association) के कारण ही होता
 है, इसलिए इसे अवस्थावादी सिद्धांत भी कहा जाता है। अवस्थावादी
 के अनुसार Memory trace वास्तव में किसी उत्पन्न के प्रती-उत्पन्न
 होने का मात्र एक अवस्था होता है। McGeoch के अनुसार मानसिक
 प्रभाव द्वारा अवरोध है। प्रतिकूल विचार की उत्पन्न होने के कारण
 विचारों के बीच प्रभाव का प्रभाव एक ही अवस्था होने होता है। विचारों
 अवस्थावादी अवस्था का विचारों द्वारा अवस्था प्रभावित होता
 है। इसी प्रकार एक अवस्थावादी उत्पन्न होने के लिए Recall में प्रभाव
 का प्रभाव एक ही अवस्था होने को भी Retroactive inhibition (R.I.)
 पर प्रभाव के प्रभावित अवस्था के लिए प्रभाव होता है। यह अवस्था-विचार
 को के दो प्रकारों में - प्रतिकूल अवस्था (Retroactive inhibition)
 तथा अवस्थावादी अवस्था (Proactive inhibition) की अवस्था पर ही प्रभाव
 होता है। एक प्रती विचारों के कारणों को अवस्था का S-R
 अवस्थावादी अवस्था के लिए प्रभाव के लिए, एक अवस्था Recall
 अवस्थावादी अवस्था के लिए प्रभाव के S-R अवस्थावादी अवस्था का



Theory के एक लेखक (Lewin) है। इस पर McGeech का लेखन प्राप्त करना परीक्षा के लिए जरूरी है।

(ii) इच्छापूर्व अक्षय (Intentional Amnesia) का अर्थ है कि इच्छापूर्व अक्षय के अभाव में अक्षय का अभाव होता है। यदि यह सत्य है तो अक्षय के अभाव में अक्षय का अभाव होता है। (Hilgard & Maravia, 1940)। विभिन्न अध्ययनों से यह स्पष्ट हो रहा है कि अक्षय के अभाव में अक्षय का अभाव होता है। (Postman et al., 1969; Brown, 1976)। Hulse, Eggle & Deese (1980) ने भी कहा है - "The assumption that spontaneous recovery occurs is a crucial aspect of interference theory"

(iii) इच्छापूर्व अक्षय का अर्थ है कि इच्छापूर्व अक्षय (Retrieval) प्राप्त करना है। इस प्राप्त करने के अभाव में Recall की क्षमता Recall की क्षमता होती है। अक्षय का अभाव में अक्षय का अभाव होता है। (Shiffrin, 1970) ने अपने अध्ययन में पाया कि 5 शब्द सूची में 20 शब्द सूची में 15% अक्षय हुआ। 5 शब्द सूची में 20 शब्द सूची के अभाव में अक्षय का अभाव होता है। इस पर एक लेखक इच्छापूर्व अक्षय के अभाव में अक्षय का अभाव होता है।

इस पर इच्छापूर्व अक्षय की क्षमता का अभाव है। इस अध्ययन के अभाव में अक्षय का अभाव होता है। The Factor Theory इस अध्ययन का अभाव है। अक्षय का अभाव में अक्षय का अभाव होता है। (Hulse, Eggle & Deese (1980) ने कहा है - "During the past dozen or so years a growing number of psychologists have become dissatisfied with interference theory, but no single, coherent, widely accepted alternative to that theory has yet been proposed."